***Regarding need to establish the National Institue of Electronics and Information Technology in Shahjahanpur, Uttar Pradesh-Laid**

श्री अरुण कुमार सागर **(**शाहजहाँपुर**) :** मेरा शाहजहांपुर जिला सामाजिक, आर्थिक तथा शैक्षिक दृष्टि से अत्यंत पिछड़ा, व प्रमुख रूप से SC एवं OBC बहुल क्षेत्र है । यहाँ डिजिटल शिक्षा, कप्यूटर प्रशिक्षण तथा तकनीकी कौशल की सुविधाएँ लगभग न के बराबर हैं, जिसके कारण युवाओं, महिलाओं और छात्रों को रोजगार एवं कौशल विकास के अवसरों से वंचित रहना पड़ रहा है । दिनांक 28 नवम्बर 2025 को मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT), गोरखपुर के निदेशक की ओर से प्राप्त पत्र में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यदि शाहजहांपुर में कम से कम 3000 वर्गफीट का किराया मुक्त उपयुक्त एवं सुसज्जित भवन उपलब्ध कराया जाए, तभी जिले में NIELIT केंद्र की स्थापना संभव है । यह पत्र यह भी दर्शाता है कि जिले की आवश्यकताओं और जनसंख्या संरचना को देखते हुए किसी छोटे या सीमित स्थान से अपेक्षित लाभ नहीं मिल सकेगा । शाहजहांपुर जैसे बड़े. SC-OBC प्रधान, पिछड़े जिले को एक पूर्ण विकसित, स्वतंत्र NIELIT डिजिटल साक्षरता एवं कौशल विकास केंद्र की अत्यंत आवश्यकता है । अतः यहाँ की वास्तविक आवश्यकला केवल प्रतीकात्मक प्रशिक्षण केंद्र की नहीं, बल्कि एक पूर्ण विकसित, 3000 वर्गफीट क्षेत्रफल वाला, स्थायी स्वतंत्र NIELIT डिजिटल साक्षरता एवं कौशल विकास केंद्र की है, जिसमें कक्षाएँ, कंप्यूटर लैब, परीक्षा इकाई तथा सभी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हो । ऐसा केंद्र ही जिले के युवाओं को वास्तविक अवसर और गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान कर सकेगा । इस संदर्भ में, मैंने माननीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री को पत्र लिखकर निवेदन किया, जिसके उत्तर में उन्होंने पत्र संख्या 2663137/एमईआईटी/2025 (दिनांक 08.12.2025) से अवगत कराया कि आवश्यक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है । अतः निवेदन है कि उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में NIELIT का पूर्ण विकसित स्थायी केंद्र मंत्रालय की अपनी निधि से स्थापित करने हेतु तत्काल अनुमोदन प्रदान करें, ताकि पिछड़े एवं SC बहुल इस क्षेत्र के लाखों युवाओं का भविष्य सशक्त हो सके ।